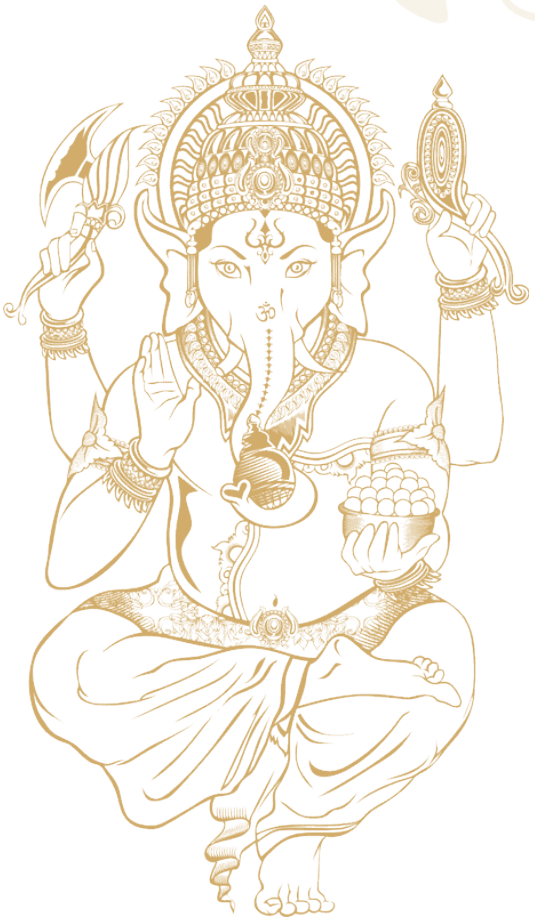

A

10 Jan 2026

03:23 AM

Ujjain

Model: web-freekundliweb

Order No: 120904002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**9-10/01/2026**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**03:23:00 घंटे**
इष्ट	50:32:26 घटी
स्थान	**Ujjain**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:11:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:56:20 घंटे
वेलान्तर	-00:07:01 घंटे
साम्पातिक काल	10:14:07 घंटे
सूर्योदय	07:10:01 घंटे
सूर्यास्त	17:57:44 घंटे
दिनमान	10:47:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	25:25:35 धनु
लग्न के अंश	02:52:09 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:52:09	315:24:25	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			धनु	25:25:35	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	17:04:27	12:18:10	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल		अ	धनु	25:19:17	00:46:20	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	18:15:56	01:34:53	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:56:47	00:08:06	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	धनु	26:11:47	01:15:28	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
शनि			मीन	02:31:27	00:04:17	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु			कुंभ	16:06:00	00:00:58	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	16:06:00	00:00:58	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:30:35	00:01:16	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:25:00	00:01:02	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	08:46:14	00:01:53	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			सिंह	07:17:18	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:20

लग्न-चलित

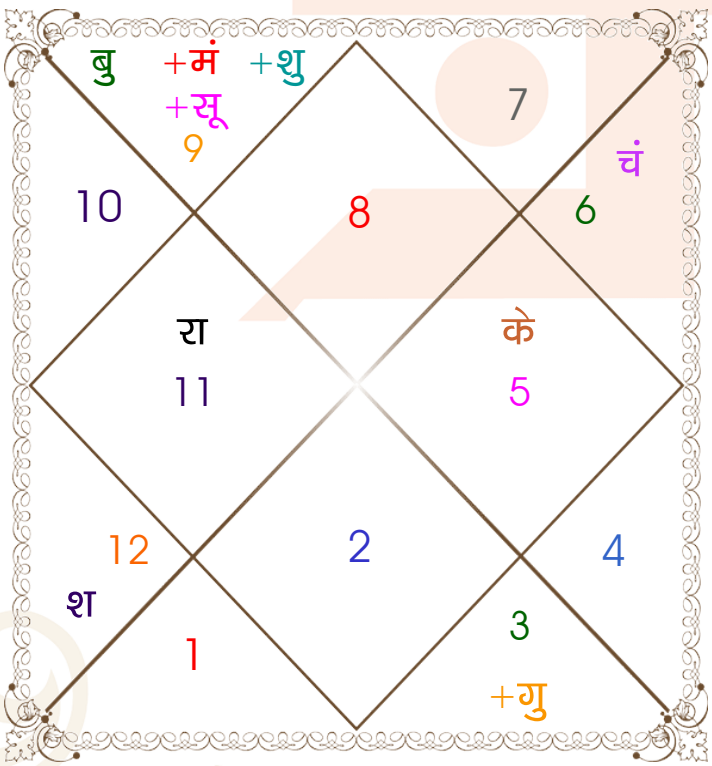

चन्द्र कुंडली

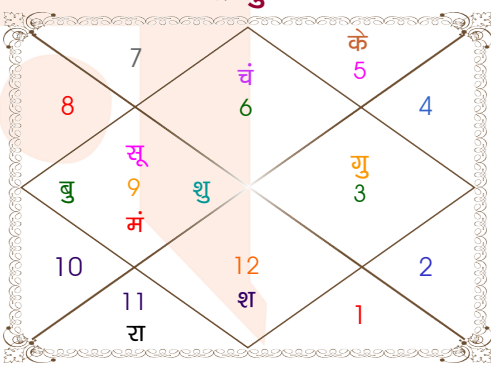

नवमांश कुंडली

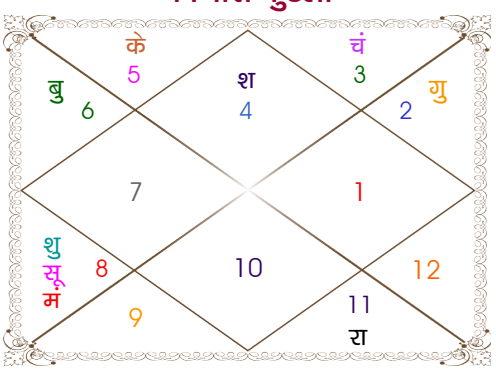

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 8 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
10/01/2026		20/09/2030		20/09/2037		21/09/2055		21/09/2071	
20/09/2030		20/09/2037		21/09/2055		21/09/2071		20/09/2090	
	00/00/0000	मंगल	16/02/2031	राहु	02/06/2040	गुरु	08/11/2057	शनि	23/09/2074
	00/00/0000	राहु	06/03/2032	गुरु	27/10/2042	शनि	21/05/2060	बुध	02/06/2077
	00/00/0000	गुरु	10/02/2033	शनि	02/09/2045	बुध	27/08/2062	केतु	12/07/2078
	10/01/2026	शनि	22/03/2034	बुध	21/03/2048	केतु	03/08/2063	शुक्र	11/09/2081
शनि	21/07/2026	बुध	19/03/2035	केतु	09/04/2049	शुक्र	03/04/2066	सूर्य	24/08/2082
बुध	21/12/2027	केतु	15/08/2035	शुक्र	08/04/2052	सूर्य	20/01/2067	चंद्र	24/03/2084
केतु	21/07/2028	शुक्र	14/10/2036	सूर्य	03/03/2053	चंद्र	21/05/2068	मंगल	03/05/2085
शुक्र	22/03/2030	सूर्य	19/02/2037	चंद्र	02/09/2054	मंगल	27/04/2069	राहु	09/03/2088
सूर्य	20/09/2030	चंद्र	20/09/2037	मंगल	21/09/2055	राहु	21/09/2071	गुरु	20/09/2090

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/09/2090		22/09/2107		21/09/2114		21/09/2134		21/09/2140	
22/09/2107		21/09/2114		21/09/2134		21/09/2140		00/00/0000	
बुध	16/02/2093	केतु	18/02/2108	शुक्र	21/01/2118	सूर्य	09/01/2135	चंद्र	22/07/2141
केतु	13/02/2094	शुक्र	19/04/2109	सूर्य	21/01/2119	चंद्र	10/07/2135	मंगल	20/02/2142
शुक्र	14/12/2096	सूर्य	25/08/2109	चंद्र	21/09/2120	मंगल	15/11/2135	राहु	22/08/2143
सूर्य	20/10/2097	चंद्र	26/03/2110	मंगल	21/11/2121	राहु	09/10/2136	गुरु	21/12/2144
चंद्र	22/03/2099	मंगल	22/08/2110	राहु	21/11/2124	गुरु	28/07/2137	शनि	11/01/2146
मंगल	19/03/2100	राहु	09/09/2111	गुरु	23/07/2127	शनि	10/07/2138		00/00/0000
राहु	07/10/2102	गुरु	15/08/2112	शनि	21/09/2130	बुध	17/05/2139		00/00/0000
गुरु	11/01/2105	शनि	24/09/2113	बुध	22/07/2133	केतु	22/09/2139		00/00/0000
शनि	22/09/2107	बुध	21/09/2114	केतु	21/09/2134	शुक्र	21/09/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 8 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकती हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकती हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगी जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखती हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझती हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगी। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगी। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगी। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करती रही तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करती हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहती है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपने पति के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगी। यद्यपि आप अपने पति के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगी। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगी। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करती हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन साथी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों का लड़का आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगा।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगी। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहती हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करती हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होती हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटी हो जाएंगी। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति की होंगी।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगी। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकती हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।